Title : Regarding depleting green cover in Gumla and Lohardaga districts of Jharkhand due to illegal felling of trees-Laid.

श्री सुदर्शन भगत (लोहरदगा): मैं सरकार का ध्यान झारखण्ड राज्य में लगातार हो रही वनों की अवैध कटाई से उत्पन्न स्थिति की ओर आकर्षित करता हूँ । झारखण्ड राज्य अपने समृद्ध वन सम्पदा के लिए जाना जाता है । घने वन और वन आधारित जीवनशैली यहाँ की पहचान है और यहाँ की अर्थव्यवस्था की धुरी भी है । घने वन झारखण्ड को देश के सभी राज्यों से अलग पहचान बनाते हैं । वनों के संरक्षण हेतु राज्य एवं केंद्र सरकार द्वारा अनेकों नियम भी बनाये गए हैं । वनों के संवर्धन हेतु अब समाज भी जागरूक हुआ है । किन्तु पिछले कुछ दिनों से झारखण्ड राज्य, विशेषकर मेरे संसदीय क्षेत्र के लोहरदगा जिले के पेशरार प्रखंड एवं आसपास के प्रखंडों में बड़े पैमाने पर वनों की अवैध कटाई की जा रही है । जनसंपर्क के समय स्थानीय लोगों द्वारा एवं आये दिन समाचार पत्रों के माध्यम से जानकारी प्राप्त होती रहती है । स्थानीय प्रशासन भी मूकदर्शक बना रहता है । इस सम्बन्ध में राज्य सरकार भी उदासीन है । यही स्थिति गुमला जिले में भी हैं । झारखण्ड में वनों की अवैध कटाई का मामला अत्यंत गंभीर होता जा रहा है । इसीलिए यह मुद्दा सदन में उठाना चाहता हूँ, जिससे कि झारखण्ड के गुमला, लोहरदगा जिले में चल रही वनों की अवैध कटाई बंद हो सके । वनों को अवैध रूप से कटाई करने वालों एवं इससे जुड़े अवैध व्यवसायियों के विरुद्ध विधि सम्मत कार्यवाही की जा सके । सरकार से विनम्र अनुरोध है कि कृपया लोहरदगा एवं गुमला जिले में गत 5 वर्षों में लगातार घटते वनों का पुनः सर्वेक्षण करवाने का कष्ट करें । साथ घटते वन क्षेत्रों के कारण और अवैध कटाई की जाँच हेतु केंद्रीय जाँच टीम भेज कर इसकी गहन समीक्षा एवं सर्वेक्षण करवाने का कष्ट करें एवं राज्य सरकार को यथायोग्य दिशानिर्देश जारी करें । मैं सरकार से झारखण्ड के वन संरक्षण एवं सघन और समृद्ध वनों के प्रदेश झारखण्ड की पहचान और संस्कृति को बचाने में जनता के हितों का ध्यान रखते हुए, अविलम्ब कार्यवाही करने की कृपा करें ।